20/ oct/ 2018.

COMMUNICATION
THINKERS DOERS COMMUNICATORS

दस्तक

पत्रकारिता के विद्यार्थियों का एक प्रयास

सुविचार
मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है।

2. टेक अपडेट — टेक्नोलॉजी का नया रूप
2. पत्थर घड़ी — परछाई से दिखता है समय
2. साक्षात्कार — एन.सी.सी. में अनुशासन जरूरी

समारोह — डिग्री पाकर खिले 425 विद्यार्थियों के चेहरे

कॉलेज में सात साल बाद आयोजित हुआ आठवां दीक्षांत समारोह

* 425 छात्र–छात्राओं को दीक्षांत समारोह में मिली डिग्री
* स्वास्थय मंत्री अनिल विज ने किया कॉलेज में पौधारोपण
* कॉलेज की स्थापना करने के लिए विधानसभा में उठाई थी मांग
* शिक्षा में हो मिट्टी से जोडने वाले संस्कार

हरप्रीत कौर अंबाला

छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि स्वास्थय व खेल मंत्री अनिल विज ने 425 छात्र–छात्राओं को स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री वितरित की। इस मौके पर स्वास्थय मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, किसी समय केवल 150 छात्रो के साथ इस कॉलेज की शुरूआत की गई थी। लेकिन आज छावनी व आसपास के गांवों के करीब साढे तीन हजार से अधिक छात्र–छात्राओं के लिए यह कॉलेज उम्मीद की किरण बना हुआ है। कॉलेज प्रबंधन की तरफ से कॉलेज में नया लाइब्रेरी भवन व सोलर वाटर सिस्टम लगवाने की मांग रखी जिसे स्वास्थय मंत्री ने मौके पर ही स्वीकार कर लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस मौके पर कॉलेज प्रांगण में पौधारोपण भी किया। इससे पहले कॉलेज प्राचार्या प्रो पूनम वत्स ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कॉलेज प्राचार्या ने कॉलेज की बीते सालों की उपलब्धियों की रिपोर्ट भी पढ़ कर सुनाई। उन्होंने बताया कि कॉलेज के छात्रों ने शैक्षणिक उपलब्धियों के अलावा खेल, एनसीसी,मीडिया व सांस्कृतिक गतिविधियों में भी विभिन्न स्तरों पर कॉलेज का नाम रोशन किया। इस मौके पर एसडीएम सुभाष चंद्र सिहाग, डीएसपी अनिल कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारी तथा राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते हुए व पौधारोपण करते हुए माननीय स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कार रहित शिक्षा कभी भी समाज व देश के हित में नहीं हो सकती। बेहतर शिक्षा प्रणाली वहीं हो सकती है, जो युवाओं को देश की संस्कृति व मिट्टी से जोड़ने का काम करे।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जिस समय इस कॉलेज की स्थापना की गई तब यहां पर सीबी स्कूल हुआ करता था; जब स्कूल की जगह कॉलेज का बोर्ड लगाया तो लोगो ने स्कूल छात्रों से इसका विरोध करवाया। लेकिन बाद में छात्रों को कॉलेज का महत्व समझ आया। इसके बाद उन्होंने विरोध बंद किया।

कॉलेज में हुई मां सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना

अंबाला।
अम्बाला छावनी के गवर्नमेंट पी. जी. कॉलेज में वीरवार को मां सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना की गई। कॉलेज प्राचार्या प्रो. पूनम वत्स के नेतृत्व में कॉलेज के पार्क में स्थापित इस प्रतिमा का मंत्रोचारण के साथ दूध व गंगा जल से स्नान करवाया गया इसके बाद इसकी स्थापना की गई। प्राचार्य पूनम वत्स ने बताया कि किसी भी शिक्षण संस्थान में विद्या की देवी सरस्वती की स्थापना जरूरी है। उन्हें उम्मीद है कि कॉलेज के छात्र व स्टाफ सदस्य नियमित तौर पर मां सरस्वती का आशीर्वाद लेकर अपने अध्ययन व अध्यापन कार्य को और गहन करेंगे इस मौके पर डॉ. रमेश मेहरा, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. सुरेश देशवाल, डॉ. अजय चौहान सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

अनुभव — पूर्व छात्र मिलन समारोह में पुराने छात्रों ने ताजा की यादें

अंबाला
छावनी के गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज में पूर्वछात्र मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में बडी संख्या में पूर्व छात्रों ने भाग लिया। कॉलेज प्राचार्या प्रो पूनम वत्स ने दीप प्रज्जवलित करके समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने कॉलेज से पासआउट होकर विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी विभागों में सेवारत पूर्व छात्रों को उनके सफल कैरियर की बधाई दी। पूर्व मिलन समारोह के संयोजक डॉ गुरदेव सिंह ने बताया कि समरोह में एलुमनाई एसोसिएशन का भी गठन किया गया। उन्होंने बताया कि जहां पूर्व छात्रों ने अपने शिक्षकों से मिलकर खुशी का एहसास हुआ वहीं अपने छात्रों की सफलता को देखकर शिक्षकों ने भी गौरवांवित महसूस किया। इस मौके पर पंजाबी विभागाध्यक्ष डॉ बलविंद्र सिंह,डॉ. अजीत सिंह व प्रोफेसर जागे राम ने अपने विचार रखे।

मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित प्राचार्य पूनम वत्स व प्रो. गुरदेव सिंह देव

कार्यक्रम में पूर्व छात्र निशा, सौरव, कार्तिक दत्ता, हर्ष, डॉ. बलवान व सुनील बराड आदि ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए पुराने दिनों को याद किया।

छात्र संघ चुनाव — शांतिपूर्ण तरीके से हुए छात्रसंघ चुनाव, ज्योति राणा बनी पहली प्रधान

दीक्षा अंबाला
छावनी गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज में हुए छात्र संघ चुनाव में बी. ए. प्रथम वर्ष की ज्योति राणा को सर्वसम्मति से प्रेजिडेंट चुना गया। इसके अलावा तीन अन्य पदों पर भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ। बी.कॉम. प्रथम वर्ष के लोविश कुमार को वाइस प्रेसीडेंट, बी.ए.एम.सी. की शीतल बिहाना को जनरल सेक्रेटरी व अरविंद ढींड़सा को ज्वाइंट सकेटरी चुना गया। काउंसिल के लिए भी सभी पांच सदस्यों का निर्विरोध चुनाव हुआ। मनीष कुमार, नेहा, मिथुन, विशाल व शिवानी को काउंसिल सदस्य चुना गया। कॉलेज प्राचार्य प्रो. पूनम वत्स ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों व काउंसिल सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी निर्वाचित सदस्य छात्र हितों के लिए काम करेंगे। इससे पहले कॉलेज में दस सी. आर. के लिए चुनाव पुरी तरह से शांतिपुर्ण तरीके से हुआ। तेरह सदस्य पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके थे, 23 निर्वाचित सी.आर. में से 20 सी.आर. छात्र संघ पदाधिकारी व काउंसिल सदस्यों के चुनाव के लिए एकजुट हुए। लेकिन सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से हुआ। चुनाव प्रकिया को पूरा करने में डॉ रमेश कुमार मेहरा,डॉ अजीत सिंह,डॉ अजय चौहान व अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राचार्या के साथ नवनिर्वाचित पदाधिकारी

Scanned with CamScanner

टॉप न्यूज

* चीन ने तैयार किया विश्व का सबसे बड़ा एयरकाफ्ट, इसका नाम –'एजी 600 कुनलांग ' है ।
* झारखंड की कोयला खदानों में लगातार बढ़ रहा है भूमिगत आग का दायरा।
* 24 अक्तूबर को खोल दिया विश्व का सबसे लंबा समुद्री पुल– हांगकांग से मकाउ व चीन के झुहाइ को जोड़ने वाला दुनिया का सबसे लंबा पुल यातायात के लिए खोल दिया गया।
* अम्बाला कंटोनमैंट बोर्ड बना देश का पहला नॉन मोटराइज ट्रांसपोर्ट कॉरीडोर।
* क्लिंटन दंपती और ओबामा के घर पर डाक से भेजा गया विस्फोटक पदार्थ।
* रितु फोगाट ने कॉमनेवल्थ रेसलिंग में गोल्ड, वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर, एशियन चैम्पियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीते।
* इस वर्ष 10 टेस्ट मैच में 1063 रन बनाने वाले पहले कप्तान बने विराट कोहली।
* फिर नजर आएगा टाइटैनिक, दोबारा जहाज बनाने की तैयारी में ऑस्ट्रेलियन अरबपति।

एन.सी.सी. सिखाता है अनुशासन और देश के प्रति सद्भावना जागृत करना : डॉ. अजीत सिंह

एन.सी.सी. विद्यार्थियों के मन में देश के प्रति उतरदायी रहना व अनुशासन में रहना सिखाता है। एन.सी.सी. से एन.सी.सी. कैडेट के व्यक्तिगत जीवन में बहुत बदलाव आते हैं। उन्हें बडों का आदर करना, समाज के कल्याण के प्रति सद्भावना और लोगों की सुरक्षा करने की प्रेरणा मिलती है। ये सभी बातें साक्षात्कार के दौरान डॉ. अजीत सिंह ने दीक्षा को बताई।

डॉ. अजीत सिंह

एन. सी .सी. का उद्देश्य और लक्ष्य क्या है ?

एन.सी.सी. का उद्देश्य मूल रूप से अनुशासन है। इसमें जो मुख्य बात है, वो बच्चों में देशभक्ति की भावना को जागृत करना है। साथ ही अनुशासन में रहकर किस प्रकार जिंदगी व्यतीत करनी है। जहाँ तक लक्ष्य की बात है तो एन. सी. सी .सभी कैडेटस में एक सच्चा आर्मी ऑफिसर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करता है ताकि सभी कैडेटस देश की सेवा कर सके।

एन. सी.सी. की ट्रेनिंग के बारे में आप क्या कहना चाहेंगे ?

एन.सी.सी. की ट्रेनिंग कई तरीकों से करवाई जाती है जैसे वैपन ट्रेनिंग और ड्रिल ट्रेनिंग । वैपन ट्रेनिंग से वो हथियारों के बारे में जानते है और ड्रिल ट्रेनिंग से वो अनुशासन के बारे में जानते है। कुछ लैक्चर भी होते है जिससे उन्हें कई तथ्यों से रूबरू करवाया जाता है।

एन.सी.सी. की शुरुआत कॉलेज में कब से हुई ?

कॉलेज में एन.सी.सी. की शुरुआत जुलाई 2000 में हुई थी। 2000, 2001 एन.सी.सी. का पहला सेशन था। तभी से कॉलेज में एन.सी.सी. चली आ रही है।

एन.सी.सी. कौन से ब्रिगेड में आती है?

एन.सी.सी. आर्मी के अंतर्गत ही आती है। एन.सी.सी. में तीन विंग होते है एन.सी.सी. आर्मी विंग, एन.सी.सी. नेवी विंग, एन. सी.सी. एयरफोर्स विंग। लेकिन हमारे पास एन.सी.सी. आर्मी विंग है ।

एन.सी.सी. कैडेट को क्या–क्या फायदे होते है ? अगर आर्थिक समस्या हो या कोई और दिक्कत हो तो एन.सी.सी. किस प्रकार लाभकारी है?

आर्थिक समस्या की बात की जाए तो एन.सी.सी. में बहुत फायदे हैं। एन.सी.सी. कैडेट के पास ज्यादा अवसर होते है। अगर वो सेना में भर्ती होने चाहते हैं तो उनके टेस्ट में थोड़ी छूट दे दी जाती है जैसे फिजिकल में हाइट थोड़ी कम भी है, तो भी एन.सी.सी. कैडेट को पास कर दिया जाता है मेरिटोरियस बच्चों को एन.सी. सी. स्कोलरशिप देती है।

एन.सी.सी. में करियर की संभावनाओं पर थोड़ा प्रकाश डालिये ?

एन.सी.सी. में करियर के बहुत अवसर होते हैं एन.सी.सी में सर्टिफिकेट होते हैं तो उनको ऑफिसर या सेना में जाने के लिए कोई भी लिखित परीक्षा देने की जरूरत नहीं होती है, डायरेक्ट इंटरव्यू होता है।

एन.सी.सी सर्टिफिकेट के कितने प्रकार होते है ?

एन.सी.सी. में तीन प्रकार के सर्टिफिकेट होते है। ए. बी. सी। ए सर्टिफिकेट स्कूल से प्राप्त होता है बाकि के दो सर्टिफिकेट कॉलेज से प्राप्त होते है। सी सर्टिफिकेट के लिए तीन साल की परीक्षा होती है और बी सर्टिफिकेट के लिए दो साल की परीक्षा होती है।

एन.सी.सी कैडेट के जीवन में एन.सी.सी से क्या बदलाव आते हैं ?

एन.सी.सी. कैडेटस को अनुशासन में रहकर अपने जीवन को सफल बनाना सीखता है। एन.सी.सी. के द्वार सभी कैडेटस को सिखाया जाता है कि किस तरह अनुशासन के बिना जीवन अधूरा है।

अनुशासन एन.सी.सी. का अहम हिस्सा है। अनुशासन से एन.सी.सी. कैडेटस के जीवन में कई बदलाव आते हैं।

डॉ. अजीत सिंह

वृक्षों के बारे में रोचक तथ्य

* एक पेड़ एक दिन में इतनी ऑक्सीजन देता है कि चार आदमी जिन्दा रह सकते है।
* दुनिया में सबसे ज्यादा पेड़ रूस में है। इसके बाद कनाडा में फिर ब्राजील उसके बाद अमेरिका में फिर भारत का नाम आता है।
* भारत में कुल पेड़ों की सख्यां करीब 35 अरब है।
* पेड़ की कतार धूल मिट्टी के स्तर को 75 प्रतिशत कम करती है, और 50 प्रतिशत शोर भी कम करती है।
* दुनिया की 20 प्रतिशत ऑक्सीजन एमोजॉन के जंगल पैदा करते है ये जंगल 8 करोड़ 15 लाख एकड़ में फैले हुए हैं।
* दुनिया का सबसे पुराना पेड़ स्वीडन के डलारना प्रांत में है यह पेड़ 9,550 वर्ष पुराना है।
* तुलसी,पीपल,नीम , बरगद, दूसरे के मुकाबले सबसे ज्यादा ऑक्सीजन पैदा करते हैं।
* भारत एक ऐसा देश है जहाँ वृक्षों की पूजा की जाती है।

आज भी अस्तित्व बना है इस पत्थर घड़ी का

सूर्य की किरणें दिखाती हैं समय

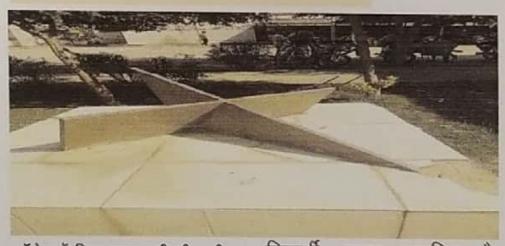

कॉलेज में स्थित पत्थर घड़ी की तस्वीर

भारत में ईस्ट इंडिया कपंनी 16 वीं शताब्दी में आई थी। ईस्ट इड़िया कपंनी ने भारत में बहुत सी ऐसी इमारतें बनाई है जिनका अस्तित्व आज भी बना है। उनमें से एक अम्बाला छावनी में ब्रिटिश शासकों द्वारा स्कूल की स्थापना की गई जिसका नाम सी.बी. (कैंटोमेंट बोर्ड) था। जिसमें ब्रिटिश शासकों द्वारा पत्थर घड़ी का निर्माण किया गया जो सूर्य की किरणों के माध्यम से समय दिखाती है। जिसका अस्तित्व आज भी बना हुआ है। यह कॉलेज की एक ऐसी ऐतिहासिक धरोहर है। जिससे आज भी कॉलेज के बहुत से विद्यार्थी शायद अनभिज्ञ है, कॉलेज के प्रोफेसर जो काफी समय से इस कॉलेज में कार्यरत हैं उन्होनें इसकी जानकारी विद्यार्थियों को दी। साथ ही उन्होनें यह भी बताया में कि जब यह कॉलेज एक स्कूल हुआ करता था तभी से यह घड़ी विद्यामान है।

इस घड़ी का अस्तित्व कॉलेज के अस्तित्व से भी पुराना है । यह घड़ी सूरज की किरणों द्वारा परछाई से समय बताती है। इसकी स्थापना ब्रिटिश शासकों द्वारा की गई थी । जिसका अस्तित्व आज भी है।

प्रो. अतुल यादव

बढ़ती टेक्नोलॉजी का नया रूप

टेक अपडेट

विश्व का पहला चार कैमरे वाला स्मार्टफोन हुआ लॉन्च

4 रियर कैमरे के साथ दुनिया का पहला स्मार्टफोन।

स्मार्टफोन लवर्स के लिए सैमसंग ने गैलेक्सी ए9 प्रो लॉंच किया है। यह दुनिया का पहला ऐसा स्मार्टफोन है जो चार रियर कैमरे के साथ है, इसके साथ ही यह फोन 3800 एम. ए. एच. की बैटरी और स्नैपड्रेगन के 660 प्रोसेसर के साथ है जो एक पॉवरफुल प्रोसेसर है कम्पनी ने इसकी कीमत का अभी खुलासा नहीं किया है इस फोन की रैम 6 जी. बी. ,128 जी. बी. इंटरनल स्टोरेज है।

वीडियो कॉल से हो सकता है, अपका वॉटसऐप अकाउंट हैक,

वॉटसऐप पर हैकर्स का खतरा मंडरा रहा है एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ,वॉटसऐप पर एक बग वायरस सामने आया है जो हैकर्स को प्रयोगकर्ता के अकाउंट की जानकारी दे रही है। यह बग तब काम करता है जब प्रयोगकर्ता वीडियो कॉल करते हैं। तो अपका वॉटसऐप अकाउंट हैक होने का खतरा ज्यादा होता है।

करोड़ फेसबुक अकाउंट हुए हैक

फेसबुक यूजर्स के लिए एक बहुत ही

बुरी खबर आ रही है करीब 5 करोड लोगों के अकाउंट हैक किये जा चुके है।फेसबुक ने स्वंय ही इसकी जानकारी एक ब्लॉग के जरिये दी है यदि आप भी फेसबुक यूजर है तो संभल जाएं।

पत्रकारिता व जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा प्रैक्टिकल प्रॉडक्शन के तहत प्रकाशित पूर्णतः निशुल्क व पाक्षीक संपादक : हरप्रीत कौर, संपादक मंडलः पंकज, विशाल, दीक्षा

Scanned with CamScanner